B-2
L-22
Ancient History

बिन्दुसार [298-272 ई०पू०]

• यूनानी स्रोतों में बिन्दुसार को अमित्रोचेट्स (संस्कृत में अमित्रघात) कहा गया है।

• जैन ग्रंथों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया है।

• वायुपुराण में बिन्दुसार को मद्रसार कहा गया है।

• चीनी स्रोतों में बिन्दुसार को बिन्दुपाल कहा गया है।

• इसके दरबार में दो यूनानी राजदूत डायमेकस और डायोनीसियस आए थे। स्ट्रैबो के अनुसार, डायमेकस सीरियन नरेश एन्टियोकस I का राजदूत था। इसी प्रकार प्लिनी के अनुसार, डायनोसीयस मिस्र के राजा टालमी फिलाडेल्फस II का राजदूत था। इन दोनों राजदूतों से बिन्दुसार ने निम्नलिखित वस्तुएँ माँगीः-

i) दार्शनिक, (ii) सूखे मेवे (अंजीर), (iii) विदेशी मदिरा

सीरियन नरेश ने बिन्दुसार के लिए सूखे मेवे एवं विदेशी मदिरा भेजी परन्तु दार्शनिक भेजने से मना कर दिया।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

• दिव्यावदान के अनुसार, बिन्दुसार के समय तक्षशिला में विद्रोह हो गया था, जिसके दमन हेतु अशोक को भेजा गया था।

• बिन्दुसार आजीवक संप्रदाय के अनुयायी थे। दिव्यावदान के अनुसार, बिन्दुसार के दरबार में आजीवक संप्रदाय के राज ज्योतिषी निवास करते थे।

अशोक (273 ई०पू० - 232 ई०पू०)

• अशोक के संदर्भ में जानकारी मुख्यतः अभिलेखों से मिलती है। मस्की, गुर्जरा, नेत्तूर एवं उदयगोलम् अभिलेखों में अशोक का नाम अंकित है।

• पुराणों में अशोक को अशोकवर्धन कहा गया है।

• अभिलेखों में अशोक ईरानी शैली में देवनामपिय तथा देवनामप्रियदर्शी की उपाधि से विभूषित है।

• कल्हण की राजतरंगिणी के अनुसार, अशोक शिव का उपासक था तथा उसने वितस्ता (झेलम) नदी के किनारे श्रीनगर की स्थापना की।

• श्रीनगर में अशोक के द्वारा शिव मंदिर (विजयेश्वर)

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

का निर्माण करवाया गया।

- अशोक के अभिलेखों की खोज सर्वप्रथम टीफेन्थेलर ने की तथा इसे सर्वप्रथम जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा।
- अशोक के अभिलेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, अरेमाइक एवं ग्रीक लिपि में अंकित है।
- अशोक के सर्वाधिक अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- अशोक के 13 वें शिलालेख में कलिंग युद्ध का वर्णन है।
- राज्याभिषेक के 8 वें वर्ष अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया और बहुत बड़े स्तर पर लोग मारे गए।
- खारवेल के हाथीगुंफा अभिलेख से जानकारी मिलती है कि संभवतः तत्कालीन समय में नंदराज नामक कोई राजा शासन करता था।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• कलिंग युद्ध के बाद, कलिंग का प्रशासनिक विभाजन हुआ।

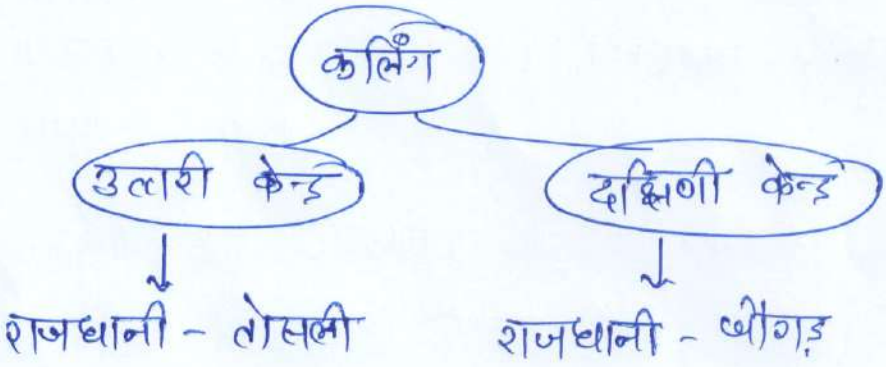

• कलिंग पर आक्रमण का उद्देश्य:-

i) हाथियों के लिए (अर्थशास्त्र के अनुसार)

ii) व्यापार-व्यवसाय हेतु (प्लिनी की नेचुरल हिस्टोरिका के अनुसार)

* अशोक के शिलालेख में उल्लेखित विषय:-

• प्रथम शिलालेख:- सामाजिक उत्सवों का निषेध
  - पशुबलि का निषेध
  - समस्त प्रजा मेरी संतान है।

• द्वितीय शिलालेख:- चेर (केरलपुत्र), चोल, पाण्ड्य, सातियपुत्र, ताम्रपर्णी (श्रीलंका) का उल्लेख
  - लोक कल्याण तथा मानव चिकित्सा का उल्लेख

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- तृतीय शिलालेख :- रज्जुकों की नियुक्ति का उल्लेख
  - महामात्र को आदेश दिया गया कि प्रति पाँच वर्ष में राज्य के दौरे पर जाए
  - प्रादेशिकों की नियुक्ति

- पाँचवा शिलालेख :- धम्म महामात्र की नियुक्ति का उल्लेख
  - मौर्यकालीन समाज एवं वर्णव्यवस्था का उल्लेख

- ग्यारहवाँ शिलालेख : धम्म विजय की विशेषताओं का वर्णन
  - "धम्म दान ही सर्वश्रेष्ठ दान है।"

- बारहवां शिलालेख :- धार्मिक सहिष्णुता का उल्लेख

- 13 वां शिलालेख :- कलिंग विजय का वर्णन
  - पाँच सीमांत राज्यों का उल्लेख हैं, जहां पर अशोक ने अपने दूत भेजे थे।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

• कलिंग का लेख (प्रथम पृथक शिलालेख):-

→ समस्त प्रजा मेरी संतान है।

→ अशोक के अनुसार, "जिस प्रकार मैं अपनी संतान के लिए इहलौकिक और परलौकिक कल्याण की कामना करता हूं, उसी प्रकार अपनी प्रजा के लिए भी कल्याण की कामना करता है।"

→ अशोक के अनुसार, "जिस प्रकार एक मां अपनी संतान को एक कुशल धाय को सौंपकर संतुष्ट हो जाती है, उसी प्रकार मैंने भी रज्जुकों की नियुक्ति की है।"

• भाब्रु शिलालेख (बैराट जिला, राजस्थान):-

→ एक पत्थर के टुकड़े पर अंकित शिलालेख है, जो ब्रह्मीलिपि शैली में लिखी गयी है।

→ इस पर बुद्ध, धम्म और संघ अंकित है।

• मस्की लघु शिलालेख:- इसमें अशोक स्वयं को 'बुद्ध शाक्य' कहता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

* अशोक से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यः-

सिंहली अनुश्रुति के अनुसार, अशोक को निग्रोध (अशोक के बड़े भाई सुसीम का पुत्र) ने बौद्ध धर्म में दीक्षित किया था। जबकि ह्वेनसांग के अनुसार, उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म में दीक्षित किया था।

* अशोकः- बौद्ध धर्म के एक अनुयायी के रूप में:-

- अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 10वें वर्ष बोधगया की यात्रा की और वहाँ पर बोधिमण्ड का निर्माण करवाया।
- अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 20वें वर्ष रुम्मनदेई की यात्रा की और यहाँ पर अभिलेख खुदवाया। इस अभिलेख पर अंकित है कि अशोक ने वहां पर कर की दर $\frac{1}{6}$ से घटाकर $\frac{1}{8}$ कर दी।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

• रुम्मनदेई एकमात्र ऐसा अभिलेख है, जिससे हमें आर्थिक जानकारी मिलती है।

• अपने राज्याभिषेक के 21वें वर्ष अशोक ने निगालीसागर (निग्लीवा) की यात्रा की और यहां पर कनकमुनि के स्तूप के आकार को दुगुना करवाया।

• अशोक सांची के लघु स्तंभलेख में घोषणा करते हैं कि जो लोग संघ में मतभेद उत्पन्न करेंगे, उन्हें सफेद वस्त्र पहनाकर संघ से बहिष्कृत किया जाएगा।

• अपने राज्याभिषेक के 18वें वर्ष में अशोक ने श्रीलंका के शासक तिस्स को एक पत्र भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा है कि, "मैं तथागत का शिष्य बन गया हूं।"

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR